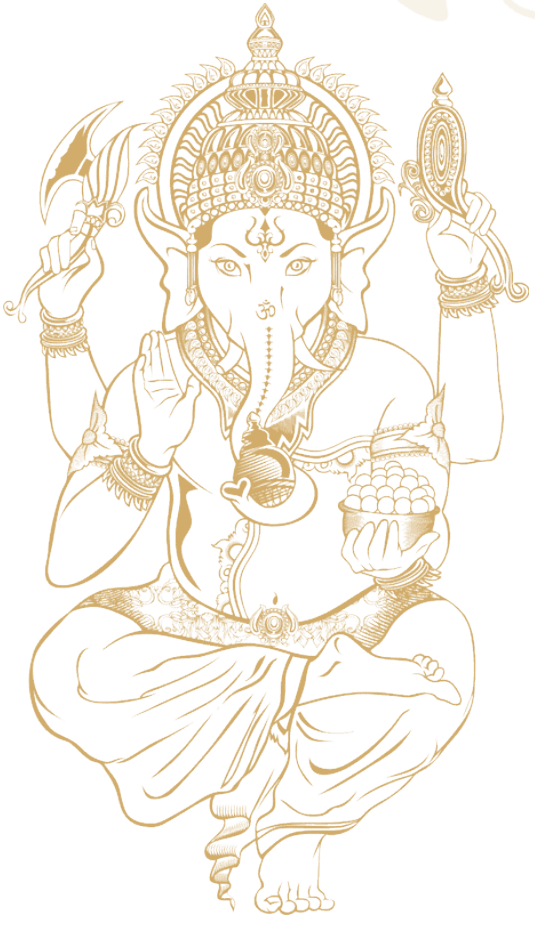

Ashish pathak

Shikha

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121917101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121917101 Date: 13/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/04/1989	जन्म तिथि	02/01/1994
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 02:50:00	जन्म समय	08:45:00 घंटे
घटी 52:49:42	जन्म समय(घटी)	05:17:29 घटी
India	देश	India
Madhubani	स्थान	Patna
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:37:00 उत्तर
85:08:00 पूर्व	रेखांश	85:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:32	स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:07	सूर्योदय	06:35:59
18:06:12	सूर्यास्त	17:10:25
23:42:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:40

मकर	लग्न	मकर
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मकर	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	मघा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	4
शिव	योग	आयुष्मान
वणिज	करण	कौलव
जा-जामवंत	जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
नकुल	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 0मा 11दि		19:30:48	मक	लग्न	मक	21:09:25	केतु 1वर्ष 7मा 3दि	
गुरु		17:25:19	मीन	सूर्य	धनु	17:43:01	चन्द्र	
12/04/2026		05:29:06	मक	चंद्र	सिंह	10:17:57	06/08/2021	
12/04/2042		18:50:22	वृष	मंगल	धनु	16:09:28	07/08/2031	
गुरु	31/05/2028	13:36:36	मीन	बुध	धनु	16:42:20	चन्द्र	07/06/2022
शनि	12/12/2030	09:43:56	वृष	गुरु	तुला	16:09:17	मंगल	06/01/2023
बुध	19/03/2033	16:22:41	मीन	शुक्र	धनु	14:08:39	राहु	07/07/2024
केतु	23/02/2034	19:49:13	धनु	शनि	कुंभ	03:19:56	गुरु	06/11/2025
शुक्र	24/10/2036	10:36:29	कुंभ	राहु व	वृश्चि	08:32:59	शनि	07/06/2027
सूर्य	12/08/2037	10:36:29	सिंह	केतु व	वृष	08:32:59	बुध	05/11/2028
चन्द्र	12/12/2038	11:35:39	धनु	हर्ष	धनु	27:52:05	केतु	06/06/2029
मंगल	18/11/2039	18:37:41	धनु	नेप	धनु	26:43:31	शुक्र	05/02/2031
राहु	12/04/2042	20:57:45	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	03:19:56	सूर्य	07/08/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:42:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:40

लग्न-चलित

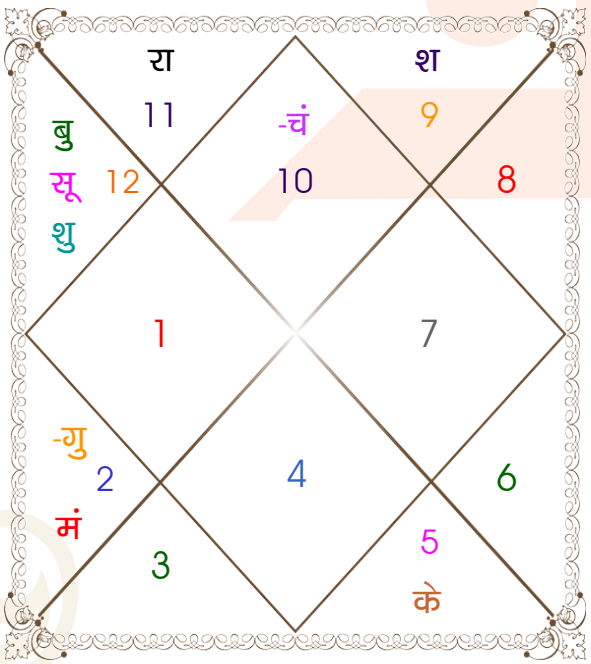

लग्न-चलित

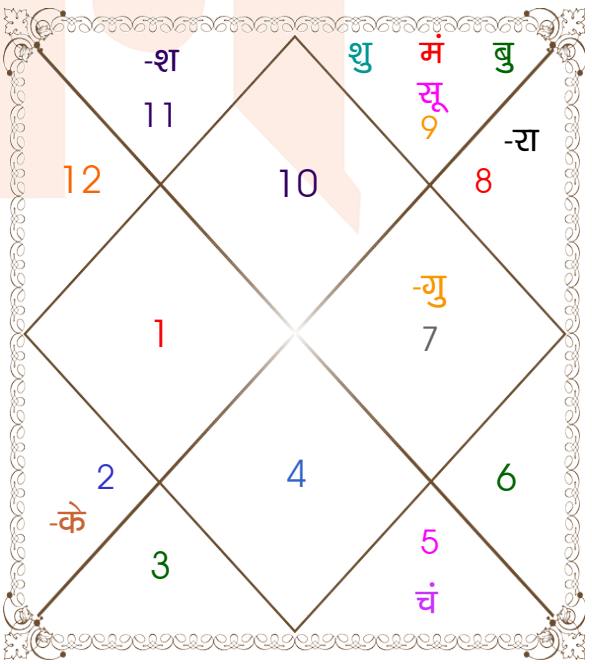

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	2.50		

कुल : **2.5 / 36**

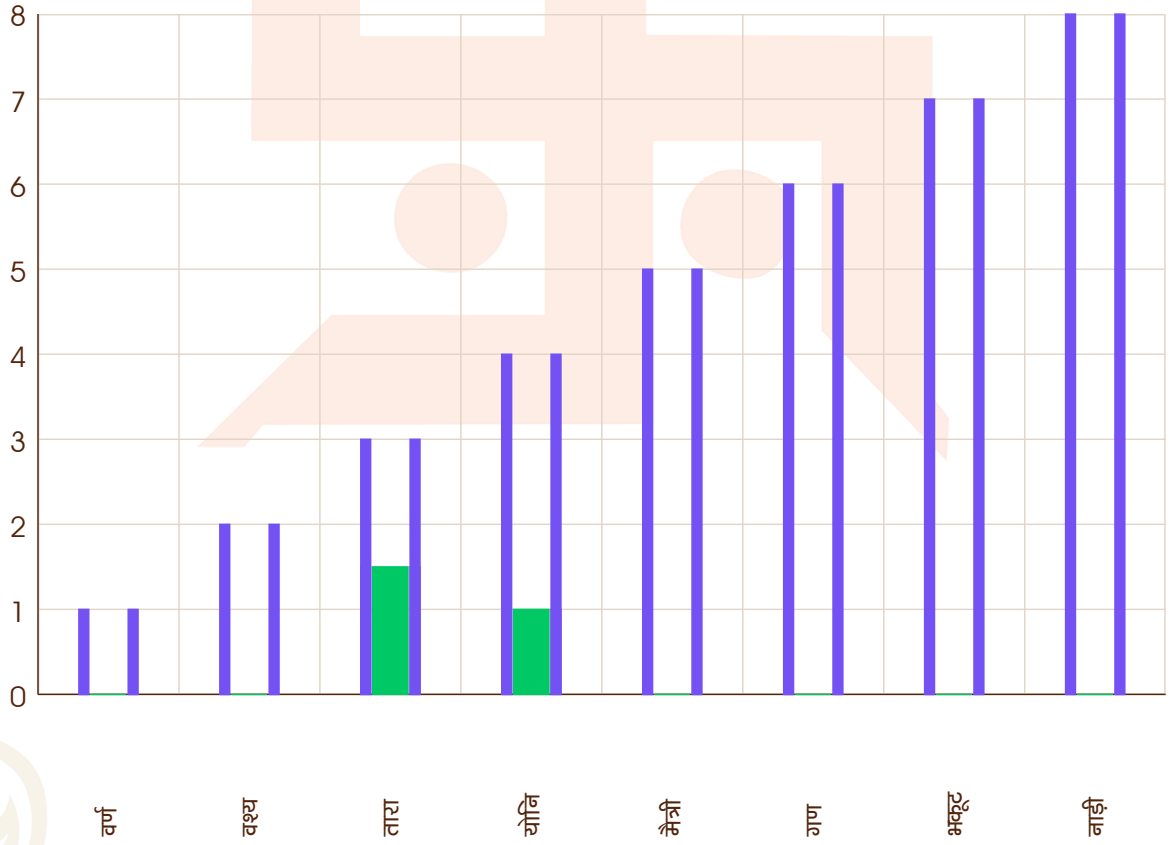

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Ashish pathak का वर्ग सिंह है तथा Shikha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish pathak और Shikha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish pathak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Shikha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shikha कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ashish pathak कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashish pathak तथा Shikha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ashish pathak का वर्ण वैश्य है तथा Shikha का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Shikha का वर्ण Ashish pathak के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Shikha अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Shikha को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Ashish pathak का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Shikha का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि Ashish pathak चतुष्पद एवं Shikha वनचर हो तो Shikha समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप Shikha Ashish pathak पर कभी-कभी हावी रहेगी जो Ashish pathak एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। Shikha का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा Shikha के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

Ashish pathak की तारा विपत तथा Shikha की तारा मित्र है। Ashish pathak की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ashish pathak एवं Ashish pathak के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Shikha हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Shikha को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Ashish pathak की योनि नकुल है तथा Shikha की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ashish pathak एवं Shikha दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Ashish pathak एवं Shikha के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Ashish pathak दवं Shikha को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Ashish pathak का गण मनुष्य तथा Shikha का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Shikha का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Ashish pathak एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Ashish pathak से Shikha की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Shikha से Ashish pathak की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Ashish pathak एवं Shikha दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Ashish pathak शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Shikha बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Ashish pathak की नाड़ी अन्त्य है तथा Shikha की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ashish pathak एवं Shikha की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ashish pathak की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Shikha की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है। भूमि तथा अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Ashish pathak और Shikha में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन समस्याओं से पूर्ण रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

Ashish pathak की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा Shikha की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Ashish pathak और Shikha के परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा मतभेद एवं विरोध के भाव रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का अभाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टिकोण रहेगा एवं अपने को एक दूसरे से श्रेष्ठ समझेंगे। अतः वैवाहिक जीवन में आनन्दानुभुति की न्यूनता रहेगी।

Ashish pathak और Shikha की राशियां परस्पर अष्ठम तथा पष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल मकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा आपस में विरोध एवं वैमनस्य का भाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे एवं आपस में दुर्भावना भी दृष्टिगोचर होगी। अतः ऐसी प्रवृतियों की सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए उपेक्षा करनी चाहिए।

Ashish pathak का वश्य जलचर तथा Shikha का वश्य वनचर है। अतः दोनों वश्यों में नैसर्गिक असमानता के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर अन्तर रहेगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे। अतः ऐसे मिलान में विवाह की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

Ashish pathak का वर्ण वैश्य तथा Shikha का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Ashish pathak की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे लेकिन Shikha पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Ashish pathak और Shikha की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Shikha पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Ashish pathak की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक

उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Ashish pathak और Shikha दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Ashish pathak के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Ashish pathak को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Ashish pathak और Shikha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Shikha के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Shikha को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Ashish pathak और Shikha बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Ashish pathak और Shikha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shikha के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Shikha अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Shikha पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Shikha अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Ashish pathak तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Ashish pathak के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Ashish pathak को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Ashish pathak के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Ashish pathak के प्रति अनुकूल ही रहेगा।